दुनियाँ चले ना श्रीराम के बिना .....

दुनियाँ चले ना श्रीराम के बिना
रामजी चले ना हनुमान के बिना ।। टेर ।।
जब से रामायण पढ़ ली है ।
एक बात हमने समझ ली है ।
रावण मरे ना श्रीराम के बिना ।
लंका जले ना हनुमान के बिना ।।1 ।।
थोड़ा–थोड़ा काम श्रीराम जी करें ।
थोड़ा–थोड़ा काम हनुमानजी करें ।
लक्ष्मण बचे ना श्रीराम के बिना ।
बूंटी मिले ना हनुमान के बिना ।।2 ।।
सीता–हरण की कहानी सुनो ।
भगवान् से यही जुबानी सुनो ।
सीता मिले ना श्रीराम के बिना ।
पता लगे ना हनुमान के बिना ।।3 ।।
बैठे सिंहासन पर श्रीरामजी ।
चरणों में बैठे हैं हनुमानजी ।
मुक्ति मिले ना श्रीराम के बिना ।
और भक्ति मिले ना हनुमान के बिना ।।4 ।।

प्रभुता को सब कोई भजै, प्रभु को भजे न कोय।
कहैं कबीर प्रभु को भजै, प्रभुता चेरी होय।।